खबर संक्षेप

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधों का किया रोपण

शहडोल। जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के उद्देश्य से चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वनमंडल दक्षिण शहडोल के अंतर्गत बीट निपनिया में महिला ऑफिसर्स वाइव्स क्लब, शहडोल की महिला सदस्यों ने सामूहिक रूप से पौधारोपण किया। इस अवसर पर क्लब की सदस्याओं ने पर्यावरण को हराभरा बनाने और मां के सम्मान में पौधों की सुरक्षा का संकल्प भी लिया। इस अवसर पर दक्षिण वनमंडल अधिकारी सुश्री श्रद्धा पंद्रे, महिला ऑफिसर्स वाइव्स क्लब से श्रीमती संगीता दुबे, डॉ.पूजा दुबे, डॉ.मंजू पाडे सहित अन्य सदस्यों ने पौधरोपण किया।

7 जुलाई को विशेष ध्यान शिविर का आयोजन

शहडोल। पिरामिड स्पिरिचुअल सोसाइटी ब्रम्हर्षि पत्रीजी की दिव्य प्रेरणा से शहडोल में 7 जुलाई को ध्यान शिविर का आयोजन होने जा रहा है । इस संस्था की ध्यान गुरु दीप्ति नादेल्ला शहडोल में ध्यान शिविर के दौरान लोगों को ध्यान करने के तरीके सिखाएंगी। सोमवार 7 जुलाई सायं 3.30 बजे से 6.30 बजे तक पाश्र्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर प्रथम मंजिल शहडोल में होगा। गौरी शंकर गुप्ता ने यह जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि ध्यान से शांत चित्त, क्रोध और तनाव से मुक्ति, शरीर का कायाकल्प, भावनात्मक स्थिरता ,कार्य कुशलता में वृद्धि और संबंधो मे मिठास आती है।

लंगर का हुआ आयोजन

शहडोल। हक के लिए अपनी शहादत देने वाले हजरत इमाम हुसैन और उनके 72 साथियों की याद में कर्बला हुसैनया मोहर्रम लंगर कमेटी पुरानी बस्ती एवं मि_ू बाड़ा पत्ता गोदाम शहडोल इमाम हुसैन की याद में लगभग 50 सालों से मनाया जा रहा है, उक्त दोनों स्थलों पर लंगर का आयोजन किया गया। इस दौरान सदर-अहमद अली, सर परस्त- अमजद अली, राजू चाचा, मासूम अली, याकूब अली, मोहम्मद फैयाज, सादिक अली, इम्तियाज अहमद, नूर अली, मोईज अहमद, प्रणव विश्वकर्मा, सद्दाम अली, रोशन खान, सुधीर यादव, पंकज गुप्ता मौजूद रहे।

सेल्फी पॉइंट में उप मुख्यमंत्री ने ली सेल्फी

शहडोल। उपमुख्यमंत्री एवं जिले प्रभारी मंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत बनाए गए सेल्फी पॉइंट में सेल्फी ली तथा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने हेतु अपील की। भारत सरकार के निर्देशानुसार जिले के चिन्हित 402 ग्राम पंचायतो में जनजातीय समुदाय के लोगों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 15 जुलाई तक धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के दौरान आधार अपडेशन कार्य, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जनधन खाता, समग्र ई-केवाईसी, किसान सम्मान निधि, मातृ वंदना योजना आदि जानकारियों से अवगत कराकर यथासंभव लाभान्वित किया जा रहा है।

एसडीएम व सीईओ की जांच ने खोल दी भ्रष्टाचार की सारी परतें

घोटालेबाज द्रोणाचार्यः पेंट के हमाम में प्राचार्य सहित डीईओ की डुबकी

सकंदी व निपनिया के खुलासे के बाद पूरे बजट के जांच की मांग

शहडोल। 4 लीटर पेंट में पूरा विद्यालय 168 कार्य दिवस में पुतवाने का कीर्तिमान बनाने वाले सकंदी के प्राचार्य और डीईओ व ट्रेजरी के जिम्मेदारों के कारण शहडोल का नाम पूरे देश में दो दिनों से छाया रहा। डैमेज कंट्रोल में कलेक्टर ने टीम गठित की तो, भ्रष्टाचार खुद-ब-खुद सामने आ गया। बहरहाल एसडीएम व सीईओ की टीम ने मौके पर जांच कर गेंद कलेक्टर के पाले में डाल दी है।

जिले के ब्यौहारी स्थित दो सरकारी स्कूलों में पेंट खरीदने के नाम पर खर्च किए गए पैसे ने सबको चौंका दिया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इन बिलों ने इस विवाद को और भी बढ़ा दिया है। सकंदी और निपनिया स्थित विद्यालयों के जो बिल प्राचार्यों ने स्वीकृत करने के बाद भुगतान के लिए आगे बढ़ाया, उन बिलों ने दोनों ही विद्यालयों के प्राचार्यो को भ्रष्ट द्रोणाचार्यो की श्रेणी में लाकर खड़ा कर दिया, साथ ही जिला शिक्षा कार्यालय से ब्यौहारी और अन्य विकास खण्डों के विद्यालयों में भेजी गई राशि और खर्च को भी जांच की श्रेणी ला दिया। शुक्र और शनिवार को यह मामला सोशल मीडिया के बाद इलेक्ट्रानिक मीडिया में पूरे प्रदेश में सुर्खिया बटोरता रहा। हालाकि यह मामला पहले ही प्रकाशित हो चुका था, लेकिन प्रशासन की हठधर्मिता इस मामले को दबाने में लगी हुई थी, मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के इस मामले में कूदने के बाद दो सदस्यीय जांच टीम बनाई गई, जिसमें जांच करने के बाद कलेक्टर को अग्रिम कार्यवाही करने के लिए जांच रिपोर्ट सौंप दी है।

यह हुआ दोनों विद्यालयों में

हाई स्कूल सक्कन्दी में सिर्फ चार लीटर ऑयल पेंट की खरीद की गई थी, जिसकी कीमत 784 रुपये बताई गई है, वहीं इस पेंट को दीवार पर लगाने के लिए 168 मजदूरों और 65 मिस्त्रियों को काम पर लगाया गया, जिनका कुल भुगतान 1 लाख 6 हजार 984 रुपये पहुंच गया। यह खर्च केवल 4 लीटर पेंट लगाने के लिए किया गया,

जिससे यह सवाल उठता है कि आखिर ये मजदूर और मिस्त्री किस काम के लिए लगाये गए थे। दूसरे मामले में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निपानिया में कुल 20 लीटर पेंट खरीदा गया था, लेकिन यहां की स्थिति और भी चौंकाने वाली है। 275 मजदूरों और 150 मिस्त्रियों को लगाया गया, जिनका कुल भुगतान 2 लाख 31 हजार 650 रुपये तक पहुंच गया। इस खर्च में खिड़कियों और दरवाजों की रंगाई का भी खर्च शामिल है, जो कि 20 लीटर पेंट के मुकाबले कहीं ज्यादा है।

एक ही कांट्रेक्टर, एक ही तरीका

इन दोनों मामलों में एक ही ठेकेदार सुधाकर कंस्ट्रक्शन का नाम सामने आया है। खास बात तो यह है कि दोनों बिल 5 तारीख पांचवां महीना 2025 में कटे हैं। जिसने इन कार्यों के लिए भुगतान प्राप्त किया है। बिलों पर संबंधित विद्यालयों के

प्राधाचार्य और जिला शिक्षा अधिकारी के हस्ताक्षर और सरकारी सील भी लगी हुई है, जो कि इस मामले की गंभीरता को और बढ़ा देती है। सुग्रीव शुक्ला, प्राचार्य शासकीय हाई स्कूल सक्कन्दी कैमरे से बचते हुए इस मामले पर कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं दी। वहीं, फूल सिंह मारपाची, जिला शिक्षा अधिकारी जो खुद इस मामले में फर्जी बिलों को ट्रेजरी तक पहुंचाने और अपनी भ्रष्ट सहमती देने के आरोपी हैं, वे मामले की जांच करवाने का हास्यास्पद बयान जारी कर रहे हैं।

मारपाची मोहरा, पाण्डेय सूत्रधार

जिला शिक्षा कार्यालय में पहले से ही आरोपों से घिरे शिक्षा अधिकारी फूल सिंह मारपाची महज एक मोहरा बनकर कार्य कर रहे हैं, प्रशासनिक शह पर अरविन्द पाण्डेय पर्दे के पीछे पूरी वसूली और प्रशासन तथा सरकार को बदनाम करने का खेल-खेल रहे हैं, इस मामले में भी मारपाची से बिलों में दस्तखत कराने, विद्यालयों से वसूली करने का खेल-खेला और मजे की बात तो यह है कि इतना करने के बाद भी अरविंद पाण्डेय इस पूरे मामले और जांच के दायरे में कहीं नहीं है। ऐसा नहीं है कि जिले के मुखिया को इसकी खबर नहीं है, सकंदी और निपनिया के फर्जी बिल तो, महज एक बानगी ही है, जांच की जाये तो, ऐसे सैकड़ों बिल और यहां बजट को निपटाने व निजी विद्यालयों से वसूली के बड़े घोटाले सामने आ सकते हैं।

रिपोर्ट सौंपी, कार्यवाही का इंतजार

शुक्र व शनिवार को जब मामले ने तूल पकड़ा तो, कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने ब्यौहारी एसडीएम नरेन्द्र धुर्वे व जनपद के सीईओ विजय सिंह की संयुक्त टीम बनाकर उन्हें जांच सौंप दी, बताया गया कि दोनों अधिकारी सकंदी विद्यालय में जांच करने पहुंचे थे, यहां आवंटित बजट से खिड़कियों का निर्माण, दरवाजों की मरम्मत तथा छत की मरम्मत के साथ ही पुताई की जानकारी स्थानीय विद्यालय प्रबंधन ने दी, हालाकि 4 लीटर पेंट और 168 मजदूरों का कार्य दिवस का जादू जिम्मेदारों ने किस तरह कर दिखाया, यह वह भी नही बता पाये। रिपोर्ट कलेक्टर को सौंप दिये जाने की जानकारी भी सामने आई है।

दण्ड से परहेज, भ्रष्टाचारियों की सिफारिशी पदस्थापना

शहडोल। जिले के पांचों विकास खण्डों में पदस्थ 47 पंचायतों के सचिवों को जनप्रतिनिधियों और मनोनीत नेताओं की सिफारिश के बाद नई जिम्मेदारियां सौंप दी गई है, बताया गया कि जिला पंचायत सीईओ के माध्यम से पांचो जनपदों में पदस्थ सचिवों को नये स्थान पर भेजने के लिए सिफारिशी सूची कलेक्टर और प्रभारी मंत्री के अनुमोदन हेतु प्रेषित की गई थी, जिस पर प्रभारी मंत्री के अनुमोदन के बाद सिफारिश पर मोहर लगा दी गई। कुल 47 सचिवों को मनचाही पंचायतें सौंप दी गई है, इसमें तो कई ऐसे सचिव हैं, जिन पर भ्रष्टाचार प्रमाणित हो चुका है, बावजूद इसके सिफारिश से उन्हें वही पंचायत दोबारा दे दी गई।

वित्त नहीं तो, पदस्थापना कोरमपूर्ति

गोहपारू जनपद पंचायत अंतर्गत भ्रष्ट सचिवों में शुमार अवधेश कुशवाहा एक ऐसा नाम है, जिसके ऊपर पूर्व में खन्नौधी में पदस्थापना के दौरान भ्रष्टाचार के आरोप लगे थे, मामले की जांच के उपरांत 16 जून को जिला पंचायत सीईओ ने शासकीय राशि का गबन होना कई बिन्दुओं पर प्रमाणित पाया, बावजूद इसके उन्हें अंकुरी से वापस खन्नौधी का प्रभार सौंप दिया गया, बकौल प्रभारी सीईओ जिला पंचायत....अवधेश को वित्तीय प्रभार नहीं दिये गये हैं, सिर्फ खन्नौधी पदस्थापना की गई है। प्रशासन की यह कागजी कार्यवाही कोरमपूर्ति है या फिर नेताओं की सिफारिश के सामने हथियार डालना।

प्रशासन पर भारी, भ्रष्टाचारी

अवधेश कुशवाहा जैसे सचिव, 47 सचिवों की सूची में अकेले नहीं है, राजनैतिक पकड़ और जनपद से लेकर जिला पंचायत के अधिकारियों की जांच रिपोर्ट को धता बताने वाले अवधेश कुशवाहा खन्नौधी में पदस्थापना के दौरान आरोपों से घिरे थे, भ्रष्टाचार प्रमाणित हुआ तो, उन्हें अंकुरी भेजा गया, बावजूद इस दौरान उन्होंने खन्नौधी के शासकीय दस्तावेज आदेश के बावजूद नये सचिव को आज तक नहीं दिये, अवधेश जैसे सचिव अपनी जिद पर अडक़र राजनैतिक बैसाखियों से जनपद और जिला से लेकर कलेक्टर तक से अपने पक्ष में सहमति लेने में सफल रहे है, आरोप हैं कि भले ही उन्हें वित्तीय प्रभार नहीं मिला, लेकिन वापस खन्नौधी पहुंचकर अपने भ्रष्ट कारनामों को जरूर निपटाने में लग जायेंगे।

मिड-डे-मील में छिपकली: खाकर बिगड़ी बच्चों की तबियत

ब्यौहारी। विकाखण्ड अंतर्गत शासकीय माध्यमिक विद्यालय चरका में मिड-डे-मील में लापरवाही सामने आई। यहां मिड-डे मील खाने के बाद बच्चों की तबीयत बिगड़ गई। सभी को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिजनों का कहना है कि उनके बच्ची की थाली में छिपकली मिली थी। ब्यौहारी के शासकीय माध्यमिक विद्यालय चरका में उस समय हडकंप मच गया, जब मिड-डे मील खा रही एक बच्ची के थाली में मरी हुई छिपकली दिखाई दी। घटना के बाद से क्षेत्र में हडकंप मच गया। शुरुआत में जिन बच्चों ने मध्यान भोजन को खाया उनकी तबीयत बिगड़ गई। कुछ ने तो वहीं उल्टियां शुरू कर दीं और कुछ बच्चे घर पहुंचने के बाद बीमार पड़े। इसमें तीन का इलाज सिविल हॉस्पिटल ब्यौहारी में जारी है।

शुक्रवार को मध्यान भोजन में यह गड़बड़ी सामने आई है, जिसमें तीन बच्चों का इलाज ब्यौहारी अस्पताल में भर्ती कर किया जा रहा है। ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर निशांत सिंह परिहार ने कहा तीनों बच्चों की उम्र 12 और 13 वर्ष के बीच है। जब इन बच्चों को अस्पताल लाया गया था तो , उनकी

हालत गंभीर थी। बच्चे उल्टियां कर रहे थे, उन्हें भर्ती कर उपचार किया गया। अब इनकी हालत बेहतर है। ऑब्जरवेशन के लिए उन्हें अस्पताल में अभी भर्ती रखा गया है। उन्होंने आगे बताया कि बच्चों के परिजनों का कहना था कि स्कूल में मध्यान भोजन में छिपकली गिर गई थी और खाना खाने के बाद ही इनकी तबीयत बिगड़ी है। बीएमओ के अनुसार पूनम साहू पिता हनुमानदीन, नेहा सेन पिता महेश सेन, आशियाना साहू पिता राम जी साहू का अस्पताल में भर्ती कर उपचार किया जा रहा है।

स्व सहायता समूह की लापरवाही

नेहा सेन के पिता महेश सेन जब अपनी बच्ची को अस्पताल लेकर पहुंचे तो, उनकी बच्ची की हालत काफी नाजुक थी। डॉक्टर ने तत्काल नेहा को भर्ती कर उपचार किया। नेहा के पिता ने बयान दिया कि नेहा ने ठीक होने के बाद बताया कि स्कूल में मध्यान भोजन में छिपकली गिर गई थी और उसकी थाली में वह मिली थी। वहीं गांव के सरपंच बनवारी सिंह ने कहा कि वह स्व सहायता समूह द्वारा लापरवाही बरती गई है, जो गंभीर है, बड़ी घटना हो सकती थी, हम इस मामले पर पंचायत में एक बैठक करेंगे। बताया गया कि समूह के पास रसोई गैस खत्म हो गई थी और लकड़ी खाना बन रहा था, इसी दौरान छिपकली दाल में गिर गई।

मोहर्रम पर कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने अधिकारियों की लगाई गई ड्यिूटी

शहडोल। 06 जुलाई को मोहर्रम का त्यौहार मनाया जाना है। मोहर्रम त्यौहार के दौरान जिले में शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाए बनाए रखने हेतु कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. केदार सिंह ने आदेश जारी कर जिले के सभी अनुभागों में संबंधित एसडीएम एवं तहसील क्षेत्रान्तर्गत संबंधित तहसीलदार एवं कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की ड्यिूटी उनके कार्यक्षेत्र में लगाई गई है।जारी आदेश के अनुसार उपखण्ड सोहागपुर, में उपखंड मजिस्ट्रेट सोहागपुर की उपखंड जैतपुर में उपखंड मजिस्ट्रेट जैतपुर की, उपखंड जयसिंहनगर में उपखंड मजिस्ट्रेट जयसिंहनगर की एवं उपखंड ब्योहारी में उपखंड मजिस्ट्रेट ब्यौहारी की ड्यिूटी लगाई गई है। इसी तरह जिले की सोहागपुर जयसिंहनगर गोहपारू, ब्यौहारी, जैतपुर, एवं बुढ़ार की ड्यूटी संबंधित तहसील क्षेत्रान्तर्गत लगाई गई है। सबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे थाना मुख्यालयों पर शान्ति समिति की बैठकों का आयोजन कर मोहर्रम के अवसर पर आयोजित किए जाने वाले जुलूस के निर्धारित स्थलों में अधीनस्थ अधिकारियों कर्मचारियों की ड्यूटी लगाकर शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना सुनिश्चित करेंगे।

फिर बंद हुई संजय गांधी ताप विद्युत केन्द्र की यूनिट

करोड़ों की मरम्मत के बाद दो दिन ठप्प हुई यूनिट

उमरिया। जिले के बिरसिंहपुर पाली में स्थित संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र की 210 मेगावाट की एक नंबर यूनिट एक बार फिर ठप हो गई है। यह वही यूनिट है जो 16 अगस्त 2024 को तकनीकी खराबी के कारण बंद हुई थी और करीब 11 महीने बाद करोड़ों रुपए की लागत से मरम्मत कर कुछ दिन पहले ही पुनः चालू की गई थी, लेकिन महज दो दिनों के भीतर ही यूनिट में फिर खराबी आ जाना न सिर्फ तकनीकी विफलता दर्शाता है, बल्कि प्रबंधन की कार्यशैली और जवाबदेही पर भी गंभीर सवाल खड़े करता है। यूनिट को फिर से बंद करने का कारण ब्वॉयलर ट्यूब में लीकेज पाया गया है। यह वही ब्वॉयलर है, जिसमें लंबे समय तक तकनीकी मरम्मत की गई थी और बड़े-बड़े दावे किए गए थे कि अब यूनिट सुचारू रूप से कार्य करेगी।

नहीं तय हो पा रही जवाबदेही

संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र की एक यूनिट बंद होने से प्रतिदिन लाखों रुपये का नुकसान होता है। उत्पादन ठप्प पडऩे से जहां बिजली की आपूर्ति पर असर पड़ता है, वहीं राज्य सरकार को भी राजस्व हानि का सामना करना पड़ता है। इसके बावजूद अब तक यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि करोड़ों की लागत से की गई मरम्मत आखिर कितनी प्रभावी रही और अगर यूनिट फिर से बंद हो गई, तो उसके लिए जिम्मेदार कौन है?

दिखावे की होती है मरम्मत

संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र बीते कई वर्षों से अपनी अव्यवस्था, तकनीकी खराबियों और बार-बार यूनिट बंद होने के कारण सुर्खियों में रहा है। आए दिन किसी न किसी यूनिट में तकनीकी खराबी आना यह दर्शाता है कि या तो मरम्मत कार्य सिर्फ दिखावे के लिए किया जाता है या फिर ठेकेदारों और इंजीनियरों के बीच मिलीभगत से घटिया सामग्री और तकनीक का उपयोग होता है।

तय हो जवाबदेही

संजय गांधी ताप विद्युत केंद्र के प्रबंधन की जवाबदेही तय की जानी चाहिए, सरकार और ऊर्जा विभाग को इस पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच करानी चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की लापरवाही और धन की बर्बादी को रोका जा सके, अन्यथा इसका खामियाजा न केवल राज्य के खजाने को उठाना पड़ेगा, बल्कि आम नागरिकों को भी बिजली संकट के रूप में भुगतना पड़ेगा। वहीं मुख्य अभियंता एच.के. त्रिपाठी ने बताया कि काम करने के लिए यूनिट को बंद किया गया है।

रेलवे जीएम ने किया शहडोल स्टेशन का निरीक्षण

10 दिन में तैयार किया जाए एफओबी का फाउंडेशन, दिसंबर तक पूर्ण हो कायाकल्प का कार्य

शहडोल। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रेल महाप्रबंधक ने शहडोल रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान उन्होंने अमृत भारत योजना के तहत किए जा रहे कायकल्प के कार्यों में लेट लतीफी को लेकर कड़ी नाराजगी जताई। जीएम तरुण प्रकाश झलवारा से निरीक्षण करते हुए शाम 5.47 बजे निरीक्षण यान से शहडोल पहुंचे। इस दौरान उनके साथ बिलापुर मंडल के डीआरएम राजमल खेइवाल सहित प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। शहडोल में उन्होंने सबसे पहले स्थानीय लोगों एवं रेलवे संगठन के लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। इसके बाद प्लेटफार्म एक व दो का निरीक्षण करते हुए कायकल्प के कार्यों का अवलोकन किया। उन्होंने दस दिन में फाउंडेशन तैयार करने के साथ ही दिसम्बर तक कायाकल्प के कार्यों को पूरा करने के निर्देश दिए।

लिफ्ट-रैंप की मांग

शहडोल में जीएम का दौरा कार्यक्रम की जानकारी होने के बाद भी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि नहीं पहुंचे। सांसद प्रतिनिधि प्रकाश जगवानी ने यात्रियों की समस्याओं को लेकर मुलाकात की। उन्होंने रैंप निर्माण, वाशिंग पिट, प्लेटफार्म की उंचाई, शेड विस्तार, फर्श निर्माण सहित अन्य समस्याओं को लेकर ज्ञापन दिया। इसी प्रकार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ, दैनिक यात्री रेल संघ, रोटरी क्लब व अन्य संगठनों ने समस्याओं को लेकर जीएम से मुलाकात की। स्टेशन में लिफ्ट व रैंप को लेकर सभी ने मांग की।

लेट लतीफी पर नाराजगी

शहडोल रेलवे स्टेशन में अमृत भारत योजना के तहत 18 से अधिक कार्यों को किया जाना था। जीएम ने स्टेशन की डिजाइन को देखते हुए ठेका कंपनी के साथ एक-

एक कर सभी कार्यों पर विस्तार से पूछताछ की और लेट लतीफी पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। जीएम ने संबंधित अधिकारियों को समय पर कार्य ूर्ण कराने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने पूछताछ कक्ष को दूसरे स्थान पर शिफ्ट कर वेटिंग हॉल को बड़ा करने निर्देशित किया। इसके साथ ही यात्रियों की सुविधा को देखते हुए स्टेशन के बाहर बन रहे शेड को 10 दिन में पूरा करने को कहा। उन्होंने स्टेशन में सीसीटीवी लगाने के लिए ठेका कंपनी को सख्त निर्देश दिए।

जीएम ने यह भी कहा

-स्टेशन में लिफ्ट लगाए जाने की प्लानिंग चल रही है।
-एफओबी का कार्य चल रहा है, जल्द सुविधा मिलेगी।
-वाशिंग पिट लाइन बनाने की योजना नहीं है।
-रैंप का काम रेलवे के डिजाइन के अनुसार किया जा रहा है।
-शहडोल स्टेशन को एनएसजी 4 की कैटगरी का बताया और उसके अनुसार अधिक सुविधा उपलब्ध होने की बात कही।
-अमृत भारत योजना के सभी कार्य दिसम्बर तक पूर्ण होने की बात कही।

रेलवे में बन रही पानी टंकी निर्माण में घोर अनियमितता

शहडोल। जिले के ब्योहारी पश्चिम मध्य रेल मंडल के कटनी सिंगरौली रेल खंड के ब्योहारी रेलवे स्टेशन में बन रही पानी टंकी के निर्माण में मनमानी की जा रही है। रेलवे परिसर में बन रही हजारों लीटर क्षमता की पानी टंकी के निर्माण में नाले की रेत सहित अमानक 10 एम एम की गिट्टी और लोकल छड़ सहित घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग कर ठेकेदार अमानक स्तर का कार्य करा रहा है। विभागीय लोगों की मानें तो रेलवे में पदस्थ एसएसई सीनियर सेक्शन इंजीनियर ठेकेदार से मिलीभगत कर विभाग को चूना लगा रहा है। रेलवे स्टेशन के विस्तार के लिए करायें जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों में उपयोग किया जा रहा रेत आसपास के नाले से निकाले गये अमानक स्तर का लाल मिट्टी युक्त है। जिससे निर्माण होने के बाद बिल्डिंगों में दरारें आने लगती है। जिससे नये निर्माण कार्य की दीवारों में दरारें आना स्वाभाविक है। यहां रेलवे में पदस्थ एसएसई सीनियर सेक्शन इंजीनियर टोपे ठेकेदार से सांठगांठ कर विभाग की साख पर बट्टा लगा टोपी पहना रहा है।

पानी टंकी निर्माण में भारी अनियमितता

कटनी सिंगरौली रेल खंड के ब्योहारी रेलवे स्टेशन में बनाई जा रही 03 लाख लीटर पानी टंकी निर्माण में ठेकेदार द्वारा मनमानी रुप से घटिया निर्माण सामग्री का उपयोग कर कालोनी में पानी टंकी का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। मानक मापदंडों के विपरीत यदि निर्माण कार्य कराया गया तो आगे कभी भी गंभीर दुर्घटना होने का अंदेशा बना रहेगा। यह आरोप विभाग के ही कुछ कर्मचारियों ने लगाये है। अमृत भारत योजना के तहत पूरे रेलवे परिसर में करायें गये कायाकल्प अंतर्गत सडक़ नाली भवन आदि निर्माण कार्यों में हुई अनियमितता के जिम्मेदार एसएसई सीनियर सेक्शन इंजीनियर टोपीवाज टोपे को माना जा रहा है। उच्चस्तरीय टीम की जांच से इनकी अनियमितताओं से उठ सकता है पर्दा।

विभागीय सहकर्मियों ने लगाये गम्भीर आरोप

एसएसई सीनियर सेक्शन इंजीनियर की मिली भगत से रेलवे की साख को बट्टा लग रहा। रेलवे के जिम्मेदार वरिष्ठ अधिकारियों ने आंख मूंदी हुई है, रेलवे का निर्माण कार्य सांठगांठ से चल रहा, निर्माण कार्य की यदि सूक्ष्मता से जांच हुई तो विभाग के जिम्मेदार जेल जा सकते हैं ।

खबर संक्षेप

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वार्षिक पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम का शुभारंभ

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व एवं (वाइल्डलाइफ कंर्वेशन ट्रस्ट) के संयुक्त तत्वावधान में संचालित वार्षिक पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत आज पशुओं में विभिन्न रोगों की रोकथाम हेतु टीकाकरण अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया। उल्लेखनीय है कि यह टीकाकरण कार्यक्रम विगत पाँच वर्षों से निरंतर सफलता के साथ संचालित हो रहा है। इसका उद्देश्य न केवल जंगल के न केवल वन्य प्राणियों को रोगों से सुरक्षित रखना है, बल्कि सीमावर्ती गांवों के दुधारू एवं पालतू पशुओं को भी गंभीर बीमारियों से बचाना है। यह एक समन्वित एवं दूरदर्शी पहल है, जो वन्यजीव संरक्षण एवं ग्रामीण आजीविका की सुरक्षा दोनों ही दृष्टियों से अत्यंत महत्त्वपूर्ण सिद्ध हो रही है। कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करने हेतु सभी संबंधित वन परिक्षेत्र अधिकारियों एवं उप वन मंडलाधिकारियों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए। साथ ही, अभियान में सक्रिय भूमिका निभा रहे सभी गौसेवकों को उनके अमूल्य सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया तथा आगामी चरणों में भी अपेक्षित सहयोग हेतु प्रेरित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र संचालक डॉ. अनुपम सहाय एवं उप संचालक श्री पी. के. वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में टीकाकरण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर अभियान की शुरुआत की गई। इस अभियान में वन्यप्राणी स्वास्थ्य अधिकारी (बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व) एवं डब्यूाणी सीटी के वन्य पशु चिकित्सक भी शामिल रहे।

मॉडल स्कूल परिसर में किया गया फलदार पौधों का रोपण

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मध्यप्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री तथा अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार तथा कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल ने शुक्रवार को कोतमा स्थित मॉडल स्कूल प्रांगण में आयोजित अमृत हरित महाभियान कार्यक्रम के अंतर्गत पौध रोपित कर पौधरोपण कार्यक्रम की शुरुआत की। विद्यालय परिसर में लगभग 200 फलदार, छायादार, वानिकी एवं सेवाएंमान प्रजाति के पौधरोपण किया।

कोतमा पुलिस ने जप्त की अवैध डीजल

हरिभूमि न्यूज कोतमा। केवई बैरियर के पास पुलिस ने मोहम्मद साजिद मंसूरी 20 वर्ष के कब्जे से जरीकेन में छुपा कर रखे अवैध डीजल को जप्त करते हुए कार्यवाही की है। बताया जाता है कि आरोपी द्वारा 24 लीटर डीजल कीमती 18 सौ रुपए अवैध रूप से संग्रह किया था। सूचना पर प्रधान आरक्षक संजीव त्रिपाठी, आरक्षक अभय त्रिपाठी सहित टीम ने अवैध रूप से संग्रहित कर रखे गए डीजल को दबिश देते हुए जप्त किया है।आरोपी के खिलाफ धारा 287 बीएनएस के तहत कार्यवाही की गई।

कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर में किया गया औषधीय पौधों का रोपण

पर्यावरण एवं धरती को बचाने के लिए पौधे लगाना आवश्यकः कलेक्टर

उमरिया। पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन के निर्देशन व मार्गदर्शन पर युवा टीम उमरिया द्वारा पौधारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य रूप से कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन व एडवोकेट अमित सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट कार्यालय परिसर उमरिया में औषधीय पौधे लगाकर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन ने कहा कि पर्यावरण एवं धरती को बचाने के लिए पेड़ पौधे लगाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी नागरिकों को प्रकृति के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए आगे आना चाहिए तथा हर एक व्यक्ति को वर्ष में एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पर्यावरण को बचाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है, अगर पर्यावरण सुरक्षित एवं संरक्षित रहेगा तो हम सभी लोग सुरक्षित एवं संरक्षित रहेंगे। उन्होंने कहा कि पौधे जरूर लगाएं, क्योंकि पेड़ हमें जिंदगी और ऑक्सीजन देने का काम करते हैं। पेड़-पौधों के कारण ही पृथ्वी पर प्रत्येक प्राणी का जीवन संभव है। यदि पेड़-पौधे नहीं होंगे तो मनुष्य का जीवन संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि आज जो पौधारोपण किया है, वह हमारी आने वाली पीढ़ी के लिए तोहफा होगा, क्योंकि ये पेड़ पौधे बड़े होकर सभी को जीवन के रूप में ऑक्सीजन देते रहेंगे। एडवोकेट अमित सिंह ने कहा कि धरती को हरा-भरा और खुशहाल बनाने के लिए हम सबको यह संकल्प लेना चाहिए और सबको जागरूक करना चाहिए कि धरती को भी स्वच्छ रखें और अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर इसको संतुलित करें, ताकि हमें भरपूर मात्रा में जल और इसके अलावा जीवन के लिए जो अनिवार्य तत्व है वह पूर्ण रूप से मिल सकें।

हिमांशु तिवारी ने बताया कि प्रकृति ने हमें अभी तक दिया ही दिया है और दे ही रही है लेकिन अब हमारी बारी है कि उसे हम प्यार, सम्मान और सहानुभूति दें ताकि हमारे कारण यह जो प्राकृतिक संतुलन बिगड़ा है उसमें फिर से सुधार हो सके। पौधा रोपण के दौरान हिमांशु तिवारी, शिखा बर्मन ,श्रीराम तिवारी व सभी उपस्थित रहे।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में बफर में पर्यटन को मिलेगी नई उड़ान

ज्वालामुखी गेट का हुआ भव्य शुभारंभ

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के वन परिक्षेत्र मानपुर बफर अंतर्गत जोहिला पर्यटन जोन में पर्यटन के एक नए युग की शुरुआत हुई। ज्वालामुखी गेट नामक नवीन प्रवेश द्वार का विधिवत उद्घाटन बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व (बीटीआर) के क्षेत्र संचालक डॉ.अनुपम सहाय एवं उप संचालक पीके वर्मा ने शुक्रवार को हरी झंडी दिखाकर किया। इस अवसर पर बीटीआर के समस्त अनुविभागीय वन अधिकारी, रेंज ऑफिसर एवं अन्य वन कर्मचारी उपस्थित रहे। उद्घाटन के उपरांत सभी अधिकारियों ने जिप्सी से सफारी कर क्षेत्र की नैसर्गिक विविधता और जैविक संपदा का अवलोकन किया। ज्वालामुखी गेट से प्रारंभ होने वाला यह जोहिला पर्यटन जोन का मार्ग लगभग 30 किलोमीटर लंबा है, जिसमें पाँच विशिष्ट रूट विकसित किए गए हैं। इन रूटों में क्षेत्र की विभिन्न वन्य-आवासीय संरचनाओं को सम्मिलित किया गया है, जिससे पर्यटक विविध पारिस्थितिक तंत्र और जंगल के कई अनछुए पहलुओं का अनुभव कर सकेंगे।यह मार्ग सिर्फ रोमांच तक सीमित नहीं है बल्कि प्रकृति, इतिहास और संस्कृति का संगम स्थल भी है। पर्यटकों को यहाँ वन्यजीवों के साथ-साथ दुर्लभ वनस्पतियों, और क्षेत्र के प्रतिष्ठित ऐतिहासिक स्थल ज्वालामुखी के भी दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होगा, जो इस गेट को एक विशिष्ट पहचान प्रदान करता है। ज्वालामुखी गेट की यह पहल जहां एक ओर पर्यटन को नई ऊर्जा प्रदान करेगी, वहीं दूसरी ओर स्थानीय समुदायों के लिए स्वरोजगार और आय के नए द्वार भी खोलेगी। क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को गति मिलने के साथ ही यह प्रयास सतत और समावेशी विकास की दिशा में एक ठोस कदम सिद्ध होगा। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में नया प्रवेश द्वार ज्वालामुखी गेट से जोहिला बफर जोन की एंट्री होगी। इस गेट से पर्यटक वाहन 30 किमी लंबे नए रास्ते पर भ्रमण कर सकेंगे तथा इस जोन में 5 अलग-अलग रूट बनाए गए है, सभी रूटों को मिला कर लगभग 30 किमी पर अवलोकन का अवसर उपलब्ध कराया गया है। बांधवगढ टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक डॉ.अनुपम सहाय ने शुभारम्भ के खास मौके पर कहा कि इससे पर्यटकों को वन्यजीव, दुर्लभ वनस्पतियाँ और ऐतिहासिक स्थल का अनूठा अनुभव सैलानियों को मिलेगा,साथ ही स्थानीय समुदायों को रोजगार के भी बेहतर आर्थिक अवसर मिलेंगे।

थाना परिसर में शांति समिति की बैठक संपन्न

हरिभूमि न्यूज कोतमा। कोतमा मोहर्रम पर्व को दृष्टिगत रखते हुए शनिवार को थाना परिसर में शांति समिति की बैठक का आयोजन किया गया। 6 जुलाई रविवार को मोहर्रम का पर्व नगर में मनाया जाएगा। बैठक में नपा अध्यक्ष अजय सराफ, एसडीएम अजीत तिर्की, एसडीओपी आरती शाक्य, थाना प्रभारी रत्नांबर शुक्ला सहित नगर के गणमान्य नागरिक, धार्मिक संगठन प्रमुख एवं पत्रकार शामिल रहे। नगर पालिका अध्यक्ष अजय सराफ ने सभीनगरवासियों से सौहार्दपूर्ण परंपरा अनुसार शांति के साथ पर्व मनाने की अपील की है। नगर पालिका के द्वारा साफ सफाई, बिजली, पानी एवं रोड की व्यवस्था कराई जाएगी। मोहर्रम के दिन निर्धारित मार्ग अनुसार ही ताजिया जुलूस निकाला जाएगा। रविवार होने के कारण प्रशासन रूट दुरुस्त रखेगी। सभी ताजिया पुराने स्टेट बैंक के समीप एकत्र होकर एक साथ नगर के मुख्य मार्गों में निकाली जाएगी।गांधी चौक में युवाओं के द्वारा करतब दिखाने के साथ लाठी पटा का खेल भी होगा। एसडीएम ने कहा नगर में सभी पर्व शांति एवं भाई चारे के साथ मनाया जाता है। सभी मिलजुलकर पर्व शालीनता से मनाए। पर्व के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस द्वारा व्यस्था सुदृढ़ की गई है। जगह-जगह पर पुलिस सुरक्षा बल तैनात होने के साथ लगातार पेट्रोलिंग भी की जाएगी। सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार के अफवाह ना फैलाने एवं आपत्तिजनक संदेशों से बचने की अपील की गई है। थाना प्रभारी ने सभी नागरिकों से त्योहार शांति से मनाए जाने की बात कही। किसी भी प्रकार से शांति व्यवस्था बिगाड़ने वाले असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई भी की जाएगी।

पांच जहरीले सांपों रेस्क्यू कर सुरक्षित जंगल में छोड़ा

हरिभूमि न्यूज कोतमा। नगर के सर्प प्रहरी हरिवंश पटेल के द्वारा एक दिन में पांच जहरीले सांपों को काबू में करते हुए सुरक्षित जंगल मे छोड़ा गया है। बताया जाता है कि नगर के समीप गांव बम्हनी में श्रवण शुक्ल के घर में जहरीले सर्प निकालने की सूचना पर सर्प को सुरक्षित पकड़ते हुए काबू में किया गया। उसके बाद छूल्हा गांव में सर्प पकड़ने के दौरान उसी घर के पैरा वाले कमरे में एक और सर्प के भी निकलआने से पूरे परिवार में खलबली मच गई। जिसके बाद दोनों सांपों को पकड़ते हुए काबू में किया गया। वन प्रहरी हरवंश पटेल ने बताया कि बरसात का समय आते ही नगर एवं ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न प्रकार के जहरीले सांपों का निकालना प्रारंभ हो जाता है। प्रतिदिन 15 से 20 फोन सर्प एवं अन्य जहरीले जीव जंतुओं को पकड़ने के लिए आते हैं जिनमें 5 से 6 ही पकड़ा जाता है। बाकी वापस खेत बाड़ी या छानी में छिप जाते हैं। इसके बाद परिजनों के द्वारा सर्प निकालने की सूचना हरवशं पटेल को दी जाती है। सर्प प्रहरी के द्वारा सर्प दंश से बचने के लिए ग्रामीण क्षेत्र के नागरिकों से रात में हल्की लाइट जलाने एवं जमीन पर ना सोने के साथ ही मच्छर दानी लगाकर सोने की अपील की गई है।

डोला में 30 लाख की लागत से खुलेगा मिनी फिश

हरिभूमि न्यूज कोतमा। मध्य प्रदेश शासन की केंद्र प्रवृत्त प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना अंतर्गत जिले में मत्स्य आहार की नियमित उपलब्धता के दृष्टिगत मिनी फिश फीड मिल्क की स्थापना हेतु भारत सरकार की जारी गाइडलाइन के अनुसार वर्ष 2025- 26 के तहत कोयलांचल क्षेत्र के नगर परिषद डोला राजनगर की वार्ड क्रमांक 12 निवासी श्रीमती जूली शाह पति पवन शाह को मिनी फिश फीड मिल की स्थापना हेतु प्रोजेक्ट राशि 30 लाख की स्वीकृति दी गई है। योजनांतर्गत इसमें 12 हजार रुपए हितग्राही अंशदान तथा 18 लाख रुपए अनुदान शामिल है। कोतमा में आयोजित अमृत हरित महा अभियान कार्यक्रम मे जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार तथा राज्य शासन के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से हितग्राही श्रीमती जूली शाह को स्वीकृति पत्रक प्रदान किया गया। उक्त जानकारी सहायक संचालक मत्स्योद्योग संदीप शुक्ला ने दी है।

भ्रष्टाचार का गढ़ सकोला पंचायत में घोटालों की बाढ़

शासन देख रहा तमाशा, गांव घुट रहा भ्रष्टाचार में

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अगर कोई पंचायत यह साबित करती है कि कैसे शासकीय योजनाएं आमजन के भले के लिए नहीं, बल्कि अफसरशाही और स्थानीय कर्मचारियों की जेब भरने के लिए चलाई जाती हैं तो वह है ग्राम पंचायत सकोला यहां हर योजना के साथ घोटाले की गंध आती है विकास की आड़ में लूट का ऐसा घिनौना खेल चल रहा है, जिसमें न ईमान बचा है न जवाबदेही शासन भले सबका साथ, सबका विकास का नारा लगाए, लेकिन सकोला में यह नारा बदल चुका है चंद लोगों का साथ, खुद का विकास, बाकी गांव को बर्बादी की सौगात यह पंचायत अब योजनाओं की नहीं, घोटालों की प्रयोगशाला बन गई है। टूटी सड़कें, अधूरे तालाब, और सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज झूठे काम यही हैं यहां की पहचान और हैरानी की बात यह नहीं कि ये सब हो रहा है हैरानी यह है कि सब कुछ जानते हुए भी शासन-प्रशासन आंखें मूंदे बैठा है।

मनरेगा में मजदूरी दर 261 रुपये और सकोला में 120 यह कैसा विकास

सरकार ने ढोल-नगाड़े बजाकर ऐलान किया कि अब मनरेगा मजदूरों को 261 रुपये प्रतिदिन मिलेंगे लेकिन ज़रा साकोला पंचायत की सच्चाई देखिए। यहां गरीब मज़दूर को वही पुराना अपमानजनक 120 रुपये पकड़ाया जा रहा है और ये सब हो रहा है, उप यंत्री श्रीवास्तव और रोजगार सहायक रमेश विश्वकर्मा की खुली शह पर दोनों जनाब जैसे मजदूरों के भाग्यविधाता बन बैठे हों काम लो पूरा, पैसा दो अधूरा की तर्ज पर दिन-दिन भर खटवा कर बंधुआ मजदूरों से भी बुरा सलूक किया जा रहा है सरकार कहती है एक परिवार को 100 दिन का रोजगार लेकिन

120 रुपये रोज़ मिले तो कुल 12,000 रुपये साल भर के यानी महीने का 1000 रुपये आज के महंगाई के ज़माने में ये रकम तो शायद शहरों में भीख मांगने वालों को भी कम लगती होगी महीने की गैस सिलेंडर बस आएगी मगर अफसरशाही मौन है, क्योंकि उनकी जेबें तो तय सैलरी से गर्म हैं अगर 261 रुपये मजदूरी घोषित हुई है तो मजदूर को कम से कम 250 मिलना चाहिए वरना इसे मनरेगा नहीं, "मज़दूर ठगवा योजना" कहा जाए। अब समय आ गया है जब जनता सवाल पूछे और साकोला के इस भ्रष्ट तंत्र से जवाब मांगे।

सकोला की सड़क पर भ्रष्टाचार

सकोला पंचायत की देवी चौरा से भूतही तालाब तक बनने वाली पीसीसी सड़क का अनुमानित खर्च 4,97,000 रुपये था लेकिन इस योजना को भी अफसरों ने लूट की दुकान बना दिया महज़ 30,000 रुपये की सामग्री के परिवहन के नाम पर 1,40,000 रुपये एक नरेंद्र नामक व्यक्ति के खाते में डाल दिए गए सवाल है क्या यह माल चांद से लाया गया था। इस गड़बड़ी पर उपयंत्री श्रीवास्तव की चुप्पी नहीं, बल्कि उनकी भागीदारी दिखती है क्या उनकी आँखें इतनी कमजोर हैं कि 30,000 का सामान लाने में 1.4 लाख जायज़ लगने लगा। और रोजगार सहायक रमेश विश्वकर्मा ने तो भ्रष्टाचार को खुलेआम अंजाम दिया। 30,000 की सामग्री के काम पर 32,000 रुपये का लेबर भुगतान कर दिया और शान से कहा काम पूरा हो गया। वास्तव में सकोला अब पंचायत नहीं, भ्रष्टाचार की प्रयोगशाला बन चुका है इस घोटाले को प्रशासनिक समर्थन का प्रमाणपत्र दे रही है यह अब सिर्फ लापरवाही नहीं, बल्कि संगठित लूट है और इसका हर जिम्मेदार पात्र कठघरे में होना चाहिए।

प्रशासनिक चुप्पीः संरक्षण या सहमति

पंचायतों में योजनाएं कागज़ों पर पूरी हो रही हैं, और ज़मीन पर सिर्फ लूट का बोलबाला है लेकिन हैरानी की बात यह नहीं कि भ्रष्टाचार हो रहा है हैरानी इस बात की है कि जनपद सीईओ, मनरेगा एपीओ, पंचायत एसडीओ और जिला प्रशासन सब कुछ जानते हुए भी मौन व्रत में बैठे हैं। ना जांच, ना निलंबन, ना जवाबदेही क्या ये चुप्पी सिर्फ लापरवाही है। नहीं यह तो संरक्षण की मोहर है सत्ता की गोद में बैठा एक ऐसा तंत्र जहां भ्रष्टाचार को सिर्फ सहन ही नहीं संरक्षित किया जा रहा है। अगर आप कार्रवाई नहीं कर सकते, तो पद छोड़ दीजिए। जनता अपने खून-पसीने से आपको तनख्वाह देती है। तमाशा देखने के लिए नहीं, न्याय के लिए यह लोकतंत्र है, लूटतंत्र मत बनाइए। जनपद सीईओ की निष्क्रियता अब लापरवाही नहीं, साझेदार होने का संकेत है मनरेगा एपीओ अपनी जिम्मेदारी भूल बैठे हैं जैसे मजदूरों के हक नहीं, दलालों की डोर पकड़ी हो जनपद पंचायत एसडीओ (अस्सिटेंट इंजीनियर) की चुप्पी अब निष्पक्षता नहीं, पक्षपात बन गई है और जिला प्रशासन की नींद जैसे भ्रष्टाचार की ढाल बन गई हो। जब हर जिम्मेदार अफसर कुर्सी से चिपका रहे और योजनाओं के नाम पर लाखों की बंदरबांट हो तो ये लोकतंत्र नहीं, बेईमानी का महोत्सव बन जाता है।

शहर को मिलेगी सुपर स्पेशलिटी की सुविधाः डॉ. आदित्य द्विवेदी

मरीज की बेटी ने काटा केक, आदित्य हॉस्पिटल ने पूर्ण किए 4 वर्ष

शहडोल। संभागीय मुख्यालय स्थित आदित्य अस्पताल ने अपने शुरुआती सफर के सफलतम 4 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं, इस अवसर पर मरीज के बेटी ने केक काट के अस्पताल को पांचवें वर्ष के लिए प्रवेश दिलाया, गौरतलब है कि नित नई सुविधा सेवा व्यवस्था के बीच आदित्य हॉस्पिटल आम जनता तक अपनी सेवा को सस्ते सुविधा युक्त व्यवस्था के बीच क्षेत्र के अंतिम छोर तक पहुंचने में सफलता हासिल की है।

अब तक दस हज़ार से ज्यादा ऑपरेशन

कार्यक्रम के मुख्य प्रबंधक डॉ. आदित्य द्विवेदी ने इस अवसर पर बताया कि अब तक अस्पताल 10 हज़ार से ज्यादा ऑपरेशन एवं कई तरीके के बीमारियों का सफलतम इलाज कर चुका है, वहीं हर क्षेत्र के विशेषज्ञ डॉक्टर के मौजूदगी में लोगों को दूर दराज जाने की असुविधा से भी राहत मिली है, साथ ही बीच-बीच में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर के विशेषज्ञ चिकित्सकों को अस्पताल में आमंत्रित करके मरीजो से मिलवा कर उन्हें घर बैठे अच्छे चिकित्सकों से भेंट करना अस्पताल का मुख्य उद्देश्य भी रहा है।

शहर को मिलेगी बड़ी सौगात

आदित्य हॉस्पिटल के मुख्य प्रबंधक डॉक्टर द्विवेदी ने आने वाली अत्याधुनिक सुविधा को साझा करते हुए कहा कि जल्द ही शहर को हार्ट सर्जरी कैथ लैब ,बेस्ट ट्रॉमा यूनिट देने की दिशा में अस्पताल काम कर रहा है, साथ ही डॉ.द्विवेदी ने कहा कि इन दोनों क्षेत्र में काम करने के पीछे की इन दोनों समस्याओं पर तत्काल उपचार न मिले तो मरीज की जान भी चली जाती है, लिहाजा अस्पताल इन दोनों क्षेत्र में सफलतम इलाज करने के लिए व्यवस्था सुविधा संसाधन और डॉक्टर को जल्द ही अस्पताल का हिस्सा बनाने जा रहा है। चिकित्सालय के चौथे वर्षगांठ के अवसर पर आदित्य अस्पताल के मैनेजिंग डायरेक्टर डॉक्टर स्मिता द्विवेदी इंजीनिय अखिलेश द्विवेदी, डॉ. अम्बिका गुप्ता, डॉ.दिब्यांनी, डॉ.राकेश, डॉ. कृष्णा, डॉ.आस्था, शुभम शुक्ला, श्वेता तिवारी, अंकिता पाण्डेय समेत अस्पताल का समस्त स्टाफ मरीजों के परिजन एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

नौ जुलाई की हड़ताल से कोल इंडिया को मुक्त रखें : चेयरमैन

हरिभूमि न्यूज़ राजनगर। कोल इंडिया के चेयरमैन पीएम प्रसाद ने संयुक्त मोर्चा द्वारा नौ जुलाई को प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल को लेकर शुक्रवार को अपील जारी की है। उन्होंने हड़ताल का आह्वान करने वाले संगठनों से कोल इंडिया व इसकी अनुषंगी कंपनियों को हड़ताल से मुक्त रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि भारी बारिश के कारण उत्पादन में आयी गिरावट अब धीरे-धीरे सुधर रही है। ऐसे में हड़ताल से कोयला उत्पादन व आपूर्ति पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा, इससे देश की ऊर्जा जरूरतों पर असर पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि कोयला उद्योग को इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट्स एक्ट 1947 की धारा 2 (एन) के उपखंड 6 के तहत' जन उपयोगिता सेवा' घोषित किया गया है। ऐसे में कोल इंडिया व उसकी अनुषंगी इकाइयों में हड़ताल अवैध माना जायेगा। हड़ताल करने वाले कर्मियों पर 'नो वर्क, नो पे' सिद्धांत लागू होगा। अनुशासनात्मक कार्रवाई भी हो सकती है।

खबर संक्षेप

बंधी बनाकर नदी की धार को बदल दिया

ब्यौहारी। ग्राम पंचायत खडहुली तहसील ब्यौहारी शहडोल स्थित पुतहाड़ी नदी की धार को रामावतार कुशवाहा खड़हुली द्वारा बांधकर खेती करने के लिए आठ दस बंधी बनाकर नदी की धार को बदल दिया और नदी में कब्जा करते हुए एक सकरा नाला के रूप में लगभग चार पांच फिट चौड़ाई और चार सो फुट लम्बाई में पप्पू राठौर के खेत मेड के किनारे से जेसीबी मशीन से खोदबा दिया जिसकी शिकायत कमिश्नर व कलेक्टर महोदय शहडोल सहित एसडीओ माननीय सौम्या आनंद जी एवं तहसीलदार गुर्जर जी ब्यौहारी को लिखित सूचना दिनांक 03/6/25 को दी गई थी किन्तु संबंधित अधिकारियों द्वारा नदी की धार को खुलवाने के लिए कोई ठोस कदम आज तक नहीं उठाया गया महज एक साधारण नोटिस अवैध कब्जा धारी को दिया गया जिसका तामील नहीं हो पाया बर्षा का समय आ गया छुट पुट वर्षा भी हो रही है यदि तेजी से पानी गिर गया तो खेत मेड सहित पूरा मिट्टी बह जाएगी अतिशीघ्र नदी की बन्द धार को नहीं खुलवाया गया तो लाखों रुपए का नुकसान शिकायत करता को होगी जिस नुकसानी कि सम्पूर्ण जिम्मेदारी संबंधित अधिकारियों की होगी

संयुक्त कार्रवाई कर 1900 रुपए का वसूला जुर्माना

कटनी। जिला प्रशासन एवं नगर निगम द्वारा नागरिकों की सुगम यातायात व्यवस्था और सुविधा सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। नगर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने एवं अव्यवस्थित रूप से खड़े वाहनों के कारण होने वाले संभावित जाम की स्थिति से निपटने के लिए पुलिस और नगर निगम की एक संयुक्त टीम द्वारा गर्ग चौराहा एवं खिरहनी फाटक ओवर ब्रिज में विशेष अभियान चलाया जाकर चालानी कार्यवाही की गई। नगर निगम के अतिक्रमण प्रभारी मानेंद्र सिंह ने बताया कि चलाए गए अभियान के तहत यातायात प्रवाह में बाधा उत्पन्न कर रहे सड़क किनारे अव्यवस्थित एवं अवैध रूप से 6 खड़े वाहनों को क्रेन के माध्यम से खिंचवाया जाकर वाहन मालिकों के खिलाफ लगभग 1 हजार 900 रुपए की चालानी कार्रवाई की गई। अतिक्रमण प्रभारी श्री सिंह ने बताया कि सड़क किनारे गलत पार्किंग और अतिक्रमण सीधे तौर पर जाम का कारण बनते हैं, जिससे यात्रियों का समय बर्बाद होता है और असुविधा होती है।

नोटिस के बाद भी 4 पट्टेदारों ने जमा नहीं राशि

कटनी। निगमायुक्त नीलेश दुबे द्वारा नगर निगम ट्रांसपोर्ट नगर योजना के अंतर्गत डिमांड शुल्क की राशि जमा नहीं किये जाने पर पर भेजे गए सूचना पत्र के फलस्वरूप शुक्रवार को भी दो अन्य पट्टेदारों द्वारा अपनी डिमांड शुल्क की राशि निगम कोष में जमा कर अपनी-अपनी अनुज्ञा प्राप्त की गई। इस संबंध में निगमायुक्त श्री दुबे नें बताया कि उल्लेखनीय है कि ट्रांसपोर्ट नगर योजना के अंतर्गत 8 पट्टेदारों द्वारा गो-डाउन निर्माण हेतु ए.बी.पी.एस. पोर्टल में कंसलटेंट के माध्यम से ऑनलाइन भवन अनुज्ञा के आवेदन उपरांत निर्धारित डिमांड राशि जमा नहीं किये जाने पर 7 दिवस के अंदर डिमांड शुल्क जमा करने के निर्देश दिये जाकर विपरीत परिस्थितियों में लीज निरस्तीकरण की कार्यवाही करने हेतु सूचित किया गया था। ट्रांसपोर्ट नगर योजना के अंतर्गत पट्टेदार तिवारी ट्रांस्पोर्ट के प्रोपराइटर नितिन तिवारी पिता उमाशंकर तिवारी तथा पाण्डेय गुड्स कैरियर के प्रोपराईटर सुधा पांण्डेय परि विनय कुमार पांडेय द्वारा अपनी-अपनी डिमांड शुल्क की राशि निगम कोष में जमा कर अनुज्ञा प्राप्त की गई।

एएसपी के नेतृत्व में पुलिस ने किया फ्लैग मार्च

कटनी। पर्वों के दौरान कानून व्यवस्था एवं शांति बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा फ्लैग मार्च किया गया। फ्लैग मार्च अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संतोष डेहरिया के नेतृत्व में शहर के थाना प्रभारियों, चौकी प्रभारी एवं पुलिस बल की सहभागिता से विभिन्न संवेदनशील एवं प्रमुख क्षेत्रों में किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार प्रत्येक थाने को अपने-अपने क्षेत्र में सतर्क दृष्टि रखते हुए गश्त बढ़ाने, सूचना तंत्र को सक्रिय रखने एवं सोशल मीडिया पर भी सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए हैं।

मूलभूत सुविधायें देने से कन्नी काटता रेल प्रबंधन

ट्रेनों के स्टापेज की चहुंओर से उठ रही आवाज

बीते दिवस रेल महाप्रबंधक बिलासपुर जोन के आगमन के दौरान महा प्रबंधक के समक्ष संचालित ट्रेनों के ठहराव की आवाज़ हर एक जगह चारों तरफ से गूंजती रही हैं, लेकिन रेल महा प्रबंधक की तरफ से किसी भी रेलवे स्टेशन में किसी भी गाडियों के ठहराव देने के लिये आश्वस्त नहीं किया गया।

बिरसिंहपुर पाली

हर एक के लिए रटा रटाया जुमला रेलवे बोर्ड के ऊपर डाल कर अपनी जिम्मेदारी से बच निकलने का बेहतर और आसान तरीका अपना कर नागरिकों और जनप्रतिनिधियों को उल्लू बना निकल गये। बिलासपुर जोन के रेल विभाग के सबसे महत्वपूर्ण कुर्सी मे आसीन महा प्रबंधक का यह रवैया न सिर्फ नागरिकों को ठगने तक सीमित रहा अपितु क्षेत्रीय नागरिकों की मूल भूत समस्याओं के प्रति रेल प्रशासन की उदासीनता को भी उजागर कर दिया है। दुर्भाग्य जनक कहा जाये की जिन सवारी गाडियों का स्टापेज जिन रेलवे स्टेशनों में मिली थी, उनमें से भी कई स्टेशनों में क ई सवारी गाडियों का ठहराव कोरोना काल के समय से बंद कर दी गई थी। देश कोरोना जैसी महामारी से तो निपट लिया, लेकिन उसके कारण बंद हुई सवारी गाडियों के ठहराव को चालू कराने में आज भी असमर्थ साबित हो रहें हैं।जिसके पीछे रेलवे के महत्वपूर्ण ओहदो पर बैठे जिम्मेदार अधिकारी जितने दोषी है, उतने ही दोषी हमारे क्षेत्र के सांसद और विधायकों को भी दोषी माना जाता है। नही तो लोकतंत्र में जनता के सेवक माने जाने वाले यह कतिपय अधिकारी जनता और जनप्रतिनिधियों को ऊल्लू बना रफू चक्कर बना, नहीं निकल जाते। ध्यान देने योग्य है कि उमरिया जिला मुख्यालय के रेलवे स्टेशन जहाँ पर बांधवगढ़ राष्ट्रीय उद्यान होने के बाद भी लगभग दो दर्जन सवारी गाडियों का स्टापेज आज तक नहीं मिला, जिसके लिए समय समय पर निरंतर मांग उठती रहती है, फिर भी गाडियों का स्टापेज नहीं मिल पाना हमारे माननीय महानुभावों और रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों की कार्यशैली को उजागर कर रहा है। करकेली रेलवे स्टेशन में इन्दौर बिलासपुर, भोपाल बिलासपुर अप डाऊन में रूकती थी, लेकिन कोराना वायरस ने जनता के साथ इन दोनों ट्रेनों को निगल गया, जिसका उपचार आज तक नहीं हो पाया। करकेली क्षेत्र के नागरिकों को होने वाले असुविधाओं की ओर किसी ने ठोस पहल नहीं की है। नौरोजाबाद रेलवे स्टेशन भी इसी समस्या से जुझ रहा है। ट्रेनों के ठहराव को लेकर पिछले दिनों एक वृहद आंदोलन कर सवारी गाडियों के ठहराव की मांग करते रहे , लेकिन नगाड खाने में तूती की आवाज सुनाई नहीं देती। आज भी भोपाल -बिलासपुर, रीवा - बिलासपुर जैसे रूकने वाली ट्रेनों का स्टापेज कोरोना के नाम पर बंद कर दिया गया है। बीते दिवस भी नरेंद्र मोदी विचार मंच के राष्ट्रीय महामंत्री लक्ष्मण तिवारी जी और विधायक शिव नारायण सिंह की उपस्थिति में ट्रेनों का स्टापेज की मांग की गई है। इसी तरह मुदरिया में ग्राम पंचायत मुदरिया की सरपंच माया सिंह, मलहदू की सरपंच पूजा सिंह परस्ते, और बरहाई ग्राम पंचायत की सरपंच बब्बी बाई आदि ने मुदरिया रेलवे स्टेशन में सवारी गाडियों के स्टापेज का ज्ञापन सौपते हुए मांग की है। इसी तरह चंदिया, घुनघुटी, बंधवा वारा आदि रेलवे स्टेशनों में सवारी गाडियों के ठहराव की मांग लंबित है। बीरसिहपुर पाली में बरौनी गोंदिया एक्स्प्रेस की वर्षो पुरानी मांग भी लंबित है इस प्रकार देखा जाये की चारों तरफ से एक ही मांग की जाती है फिर भी रेलवे प्रबंधन इन मांगों के लिए कदापि गंभीर नहीं है। रेल प्रबंधन को अधोसंरचना, माल ढुलाई और कमायी के साथ नागरिक जन भावनाओं का ध्यान दें तो रेलवे का यह स्वणिम काल साबित होगा

मिड डे मील में छिपकली गिरने से तीन बच्चे गंभीर रूप से बीमार

ब्यौहारी

माध्यमिक विद्यालय चरका का मामला

ब्यौहारी-जनपद पंचायत के अंतर्गत ग्राम पंचायत चरका के माध्यमिक विद्यालय में स्व सहायता समूह की गंभीर लापरवाही देखने को मिली है दिनांक 4 जुलाई शुक्रवार 2025 की बताई जा रही है मध्यान भोजन में छिपकली गिर गई और बच्चों ने खाना खा भी लिया उसके बाद कुछ बच्चों ने खाना भी खा लिया दिया गया किसी को लेकिन प्रधानाचार्य के गंभीर लापरवाही बरतते हुए बच्चों को कहा घर में कुछ मत बताना खाना खाने के बाद कुछ बच्चों को जब उल्टी और पेट में दर्द होने लगा तब उन्होंने अपने अभिभावकों को बताया और आनंद आनंद में सिविल हॉस्पिटल ब्यौहारी- लेकर जहां बच्चों का उपचार जारी हैबच्चों के नाम पूनम साहू पिता हनुमादीन नेहा सेन पिता महेश आशियाना साहू पिता रामजी निवासी ग्राम चरका है।

इनका कहना है: स्व सहायता समूह द्वारा साफ सफाई नहीं बरती जा रही है इस गंभीर लापरवाही में बच्चों की मौत भी हो सकती थी समूह को मध्यान भोजन से अलग किया जाए।

बनवारी सिंह, सरपंच ग्राम पंचायत चरका

आपके माध्यम मामला संज्ञान में आया जांच करा कर समूह संचालक एवं प्रधानाध्यापक के खिलाफ कडी कार्रवाई की जाएगी।

विजय सिंह, सीईओ जनपद पंचायत ब्यौहारी

कोयलांचल का सबसे अधिक राजस्व देने वाले बुढ़ार स्टेशन में सुविधाओं की दरकार

महाप्रबंधक को सौंपा ज्ञापन, रेल महाप्रबंधक ने बुढ़ार की समस्याओं को गंभीरता से सुना निराकरण का दिया आश्वासन

बुढ़ार

रेलवे स्टेशन शहडोल संभाग के सबसे कमाऊ स्टेशनों में एक है, बुढ़ार से रोजाना तीन से चार रैक कोयला लदान होता है जिससे रेलवे को जबरदस्त राजस्व अर्जित होता है। लेकिन रेलवे बदले में बुढ़ार के साथ वो व्यव्हार नहीं करता जो कि मिलना चाहिए। गौरतलब है कि जैतपुर विधान सभा का बुढ़ार एकमात्र स्टेशन है जो कि छत्तीसगढ़ के कई अंचलों को भी सुविधा प्रदान करता है।इसी क्रम में धनपुरी-बुढ़ार के जागरूक नागरिकों का एक प्रतिनिधि मण्डल बीते शुक्रवार को बिलासपुर जोन के महाप्रबंधक तरुण प्रकाश के शहडोल आगमन पर उनसे मिला और बुढ़ार नगर की समस्याओं से अवगत कराते हुए सर्वदलीय रेल यात्री सुविधा संघर्ष समिति के जरिए एक ज्ञापन भी सौंपा।

महाप्रबंधक ने बुढ़ार की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मण्डल प्रबंधक राजमल खोईवाल से कहा कि इस पर तत्परता से कार्रवाई करें। श्री खोईवाल ने भी समिति के ज्ञापन को गंभीरता से पढ़ा शहडोल में आयोजित प्रेस वार्ता में भी बुढ़ार की समस्या को गंभीरता से उठाया गया। महाप्रबंधक ने आश्वस्त किया कि उन्होंने मण्डल प्रबंधक को इस पर सहृदयता से विचार करने को कहा है। शीघ्र ही एक प्रतिनिधि मण्डल बिलासपुर के मण्डल प्रबंधक से मिलकर बुढ़ार की समस्याओं से रु-ब-रू कराएगा।

इसी मौके पर समिति ने महाप्रबंधक के साथ पूर्व मण्डल प्रबंधक प्रवीण पाण्डे के प्रति आभार व्यक्त करते हुए इस बात के लिए धन्यवाद दिया कि अंडर ब्रिज से लेकर प्लेटफॉर्म नं.1 तक जाने वाली सड़क को उन्होंने समिति के ध्यानाकर्षण के बाद न केवल प्राथमिकता के आधार पर बनवाया बल्कि उसे सुव्यवस्थित भी कराया। समिति ने महाप्रबंधक के दौरे के बाद विशेष रूप से पूर्व मण्डल प्रबंधक श्री पाण्डे से मिलकर उनका आभार भी जताया जिनके प्रयासों से अंडर ब्रिज से लेकर प्लेटफॉर्म तक की शानदार सीमेण्टेड सड़क बनी।

प्रतिनिधि मण्डल में संघर्ष समिति के अध्यक्ष प्रकाश सिंह सहित ऋतुपर्ण दवे, नुरुल्ला रंगरेज, मनोज जैन, मनीष चमड़ियां, रतन सोनी,अशोक जगवानी शामिल थे। समिति के अध्यक्ष श्री सिंह ने बताया कि बुढ़ार स्टेशन में कोच डिस्प्ले, प्लेटफॉर्म नं.2-3 का पूरा फर्शाकरण तथा ओवर ब्रिज से प्लेटफॉर्म नं.1 की ओर आने के लिए बाधित की गई बरसों से संचालित सड़क को पूर्ववत चालू किए जाने के संबंध में जल्द ही एक प्रतिनिधि मण्डल बिलासपुर जाकर जोनल महाप्रबंधक, मण्डल प्रबंधक सहित अन्य अधिकारयों से मिलकर पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन की जरिए लोग किस तरह से परेशानी और यातनाएं झेलते है जिससे कई बार सामने से जा रही ट्रेन छूट जाती है।

सूत्रों की मानें तो बिलासपुर मण्डल बुढ़ार रेलवे स्टेशन को लेकर काफी संवेदनशील हो चुका है तथा वहां की यथोचित मांगों के समाधान कर जैतपुर विधानसभा के इकलौते स्टेशन को कई सौगातें देने पर भी विचार कर रहा है। 18213-18214 दुर्ग अजमेर का स्टॉपेज सहित अन्य कई गाड़ियां बुढार को जल्द मिलने की उम्मीद है। इस क्रम में जैतपुर विधायक जयसिंह मरावी भी काफी पुरजोर कोशिशों में लगे हुए हैं और जल्द हीउच्चाधिकारियों से मुलाकात करेंगे।

जिला पंचायत सभागार में स्वैच्छिक पर्व कार्यक्रम संपन्न

उमरिया।

म.प्र. जन अभियान परिषद् जिला उमरिया द्वारा परिषद् के स्थापना दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय पर स्वैच्छिकता पर्व का आयोजन जिला पंचायत सभाकक्ष में किया गया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह , रवि सिंह सामाजिक कार्यकर्ता, राकेश द्विवेदी लेखा अधिकारी जिला पंचायत उमरिया, अरूण भारद्वाज , रविन्द्र कुमार शुक्ला जिला समन्वयक म.प्र. जन अभियान परिषद्, विकासखंड समन्वयक श्री महेन्द्र सिंह तराम, पुष्पा तेकाम, उपस्थित रहे । कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा भारत माता जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वल्लन कर किया गया । उसके पश्चात अतिथियों का परिचय कराते हुए पौधा देकर स्वागत किया गया । सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह ने परिषद् के स्थापना दिवस के अवसर पर जन अभियान परिषद् के समस्त कार्यकर्ताओ को बधाई देते हुए कहा कि जन अभियान परिषद् सामाजिकता को आगे रखकर समाज के साथ मिलकर लोगो को जागरूक करने का कार्य बहुत ही कुशलता से कर रहा है। निश्चित ही सभी बधाई के पात्र है । परिषद् ने जल गंगा संवर्धन अभियान में जिले में अग्रणी भूमिका निभाकर जिले का मान बढाया है । रविन्द्र कुमार शुक्ला द्वारा कार्यक्रम की रूपरेखा का वर्णन करते हुए बताया कि परिषद् का आज स्थापना दिवस है, इसलिए इसे मध्यप्रदेश के प्रत्येक जिले में स्वैच्छिकता पर्व के रूप में मनाया जा रहा है । रविन्द्र कुमार शुक्ला द्वारा परिषद् की अवधारणा पर जानकारी दी गयी एवं परिषद् के संस्थापक अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष की जानकारी देते हुए परिषद् के स्ट्रक्चर को भी बताया द्य इसके अलावा परिषद् की स्थापना से आज दिनांक तक परिषद् द्वारा किये गए कार्यो की जानकारी दी एवं परिषद् का मूल उद्देश्य समग्र विकास की अवधारणा पर कार्य करना है । जिसमे परिषद् निरंतर कार्य कर रही है, राकेश द्विवेदी ने कहा कि जन अभियान परिषद् के समस्त अधिकारियो कर्मचारियों को बहुत-बहुत शुभकामनाएं एवं मुझे जन अभियान परिषद् से बहुत कुछ सिखने को मिला है । मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रवि सिंह समाजिक कार्यकर्ता ने कहा कि अगर त्याग की भावना से काम करना सीखना है तो जन अभियान परिषद् के लोगो से सीखना चाहिए, क्योकि कोई भी कार्य हो जिसे समय से पूर्ण करना एवं गुणवत्ता पूर्वक करना इनकी कार्य पद्धति में शामिल है द्य मै आज के दिन जन अभियान परिषद् को स्वैच्छिकता पर्व की बधाई देते हुए कहना चाहता हूँ कि आप लोगो ने पण्डित अनिल माधव दवे कि परिकल्पना को साकार करने में बहुत ही श्रम किया हैं जिसके परिणाम स्वरुप जन अभियान परिषद् का जो बीज बोया था वह प्रस्फुटित होकर आज बड़े फलदार वृक्ष के रूप में खड़ा हुआ है । परिषद् के लोग बिना पद प्रतिष्ठा के कार्य कर रहे है। एक पेड़ माँ के नाम अभियान को आपने पहले भी सफल बनाया है एवं आगे भी व्यवस्थित पोधारोपण करके इसे भी सफल बनाना है। कार्यक्रम में जल गंगा संवर्धन पर उत्कृष्ट कार्य करने वालो को प्रमाण-पत्र दिए गए एवं एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम के अंतर्गत पोधारोपण किया गयाद्य पौधारोपण कार्यक्रम में साहयक आयुक्त जनजाति विभाग पूजा द्विवेदी, मंडल संयोजक प्राचार्य संजय पाण्डेय , निरीक्षक सुश्री अनामिका , बृजेश सिंह उपस्थित रहे । कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के सन्देश का वाचन रवि सिंह द्वारा किया गया साथ ही परिषद् की अवधारणा, उपाध्यक्ष मोहन नागर का सन्देश एवं परिषद् के कार्यो की शॉर्ट फिल्म का प्रस्तुतिकारण भी किया गया एवं अरूण भारद्वाज द्वारा स्वैच्छिकता की शपथ दिलाई गयी। कार्यक्रम का संचालन संतोष त्रिपाठी परामर्शदाता द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन विकासखण्ड समन्वयक पुष्पा तेकाम द्वारा ने माना।

सामूहिक सहभागिता से पौधारोपण कर क्षेत्र को पार्क के रूप में विकसित करने होंगे प्रयास

हरिभूमि न्यूज ⏭ कटनी

नगरीय क्षेत्र में पर्यावरण को स्वच्छ, सुरक्षित एवं हरा भरा बनाए रखनें हेतु नगर निगम के माध्यम से संचालित हो रहे पौधारोपण अभियान को जनसहभागिता के माध्यम से वृहत स्वरूप प्रदान कर अभियान को प्रभावी बनाने हेतु निगमायुक्त नीलेश दुबे द्वारा विगत दिवस प्रेमनगर बस्ती स्थित एएचपी मल्टी के पास रिक्त शासकीय भूमि का निरीक्षण किया गया। इस दौरान निगमायुक्त श्री दुबे ने रिक्त शासकीय भूमि के स्थल पर वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाकर क्षेत्र को पार्क के रूप में विकसित करने हेतु समस्त आवश्यक कार्यवाही पूर्ण करने के निर्देश उपस्थित अधिकारियों को दिए।

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने नगर निगम द्वारा कराये जाने वाले पौधारोपण कार्यक्रम की वृहद कार्ययोजना तैयार करते हुए स्थल, भूमि एवं फलदार, छायादार, फलदार व औषधी प्रजाति के पौधे क्रय करते हुए उनके रोपण हेतु आवश्यकतानुसार गड्ढे एवं पानी आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करनें के निर्देश दिए। निगमायुक्त श्री दुबे नें निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप विस्तृत कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उपयंत्री श्रीमती मोना करेरा ने जानकारी देते हुए पौधारोपण अभियान को दृष्टिगत रखते हुए स्थल पर लगभग 650 से अधिक गड्ढे कराये जाने का कार्य किया जा चुका है। निरीक्षण के दौरान सहायक यंत्री आदेश जैन, उपयंत्री मोना करेरा जायेन्द्र प्रताप सिंह, अश्विनी पाण्डेय, संजय सोनी मौजूद रहे।

भगवान जगन्नाथ की रथयात्रा में रस्सी खींचने नंगे पैर पहुंचे भक्त

जय जगन्नाथ के जयकारों से गुंजायमान हुआ शहर

अनूपपुर नगर के इतिहास में पहली बार हुआ ऐसा आयोजन

जगह-जगह हुई पुष्प वर्षा, सेवादारों के लिए जगह-जगह भक्तों ने की थी स्वल्पाहार की व्यवस्था

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) के तत्वावधान में शनिवार को भगवान श्री जगन्नाथ,बलराम और सुभद्रा जी की भव्य रथयात्रा अनूपपुर शहर में निकाली गई। भव्य रथ यात्रा शिव मारुति मंदिर सामतपुर से प्रारंभ होकर बस स्टैंड,आदर्श मार्ग, स्टेशन चौक, राम जानकी मंदिर, गुरुद्वारा रोड, पीएचई ऑफिस, अंडर ब्रिज, स्मार्ट सिटी से होते हुए उत्कृष्ट विद्यालय अनूपपुर के मैदान में संपन्न हुई। हजारों श्रद्धालु हरिनाम संकीर्तन करते, भजनों पर झूमते हुए रथ खींचते चले।

जय जगन्नाथ के उद्घोष से पूरा वातावरण हो रहा था गुंजायमान

उज्जैन से मंगाए गए विशेष रथ पर वैदिक विधि से विराजित प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना कर यात्रा का शुभारंभ किया गया। श्रद्धालुओं ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भगवान का स्वागत किया एवं आरती उतारी। नगर के समाजसेवी व जनप्रतिनिधियों ने रथ खींचने का सौभाग्य प्राप्त किया। समापन अवसर पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी वितरित की गई। प्रशासन द्वारा सुरक्षा के विशेष इंतजाम किए गए। हजारों भक्तों ने भगवान जगन्नाथ का रथ खींचा। अंतर्राष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ इस्कॉन मंदिर के तत्वावधान में शनिवार को अनूपपुर शहर में भगवान जगन्नाथ की भव्य रथयात्रा निकाली गई। हजारों भक्तों ने रथ खींचते हुए पूजा अर्चना की।यात्रा का शुभारंभ शिव मारुति मंदिर सामतपुर से हुआ और नगर के विभिन्न मार्गों से निकली रथयात्रा में हजारों रसिकजन रस्सी खींचकर चलते रहे। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर भगवान जगन्नाथ, सुभद्रा और बलभद्र की पूजा अर्चना की गई। कई रसिक जन सड़कों पर झाड़ू लगाते रथ के आगे चलते रहे। पूरा नगर धर्ममय हो गया। जय जगन्नाथ-जय जगन्नाथ की धुन पर झूमते रहे भक्तयात्रा के दौरान नंगे पैर उमड़े रसिकजनों का उत्साह देखते ही बन रहा था। रसिक जनों की भीड़ को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा था कि भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा में समस्त नगर समा गया हो। भगवान के श्रृंगार में अलौकिक दिव्य दर्शन हो रहे थे। जिधर भी नजर जा रही थी, उधर जय जगन्नाथ-जय जगन्नाथ की धुन पर रसिकजन झूम रहे थे। चारों ओर से जय जगन्नाथ-जय जगन्नाथ के उद्घोष से पूरा वातावरण गुंजायमान हो रहा था।

नगर के इतिहास में पहली बार निकली झांकी

रथयात्रा में जगह-जगह नगर के सेवादारों ने विभिन्न प्रकार के शरबत, पानी, बिस्किट, चिप्स की व्यवस्था की थी, वहीं भगवान जगन्नाथ का प्रसाद पाने के लिए रसिकजनों की होड़ मची रही। जगन्नाथ रथ यात्रा में रसिकजनों की संख्या को देखकर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। इस्कान मंदिर की संकीर्तन मंडली ने हरे राम, हरे कृष्ण की धुन से माहौल भक्तिमय बनाया। महिला व पुरूष संकीर्तन मंडल भजन गा रहा था। समापन कार्यक्रम में सर्वप्रथम भगवान जगन्नाथ को छप्पन भोग लगाया गया। छप्पन भोग के पश्चात भगवान जगन्नाथ की आरती हुई। भक्तों के द्वारा भगवान जगन्नाथ की कथा, भजन कीर्तन एवं फिर सभी के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था की गई। अनूपपुर के इतिहास में पहली बार निकली जगन्नाथ रथ यात्रा का नगरवासियों ने पलक पांवड़े बिछाकर रथ यात्रा का स्वागत किया। अनूपपुर शहर सहित गांव-गांव से आए श्रद्धालुओं ने भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा को लेकर उत्साहित नजर आए।

इस्कॉन केंद्र प्रमुख एवं प्रभारी ने व्यक्त किया आभार

इस्कॉन केंद्र के प्रमुख अनूपपुर केंद्र के प्रभारी चैतन्य मनोहर दास एवं प्रशांत पांडे ने अनूपपुर के इतिहास में पहली बार मिली सफलता के लिए प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग देने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए आभार व्यक्त किया है एवं भविष्य में भी सहयोग की अपेक्षा की है। उन्होंने कहा है कि आने वाले वर्षों में जगन्नाथ रथ यात्रा को और आकर्षक बनाया जाएगा एवं सभी के सहयोग से अनूपपुर में शीघ्र इस्कॉन मंदिर की स्थापना की जाएगी।

महंगाई डायन खाये जात है .....

मौसम व महंगाई ने बिगाड़ा किचन का बजट

हरी सब्जियों के दाम कम से कम 40 के पार, आगे और बढ़ेगी परेशानी

फिलहाल दाम कम होने के आसार नहीं

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

लगातार बढ़ते सब्जियों के कीमत आने वाले दिनों में भी कम नहीं होने के आसार नहीं है। सब्जी बाजार में छह माह से अधिक समय से 20 से 30 रूपये प्रति किलो बिकने वाला टमाटर 50 रूपये किलो तक पहुंच गया है, वहीं गोभी भी 70 से 80 रूपये किलो तक बिक रहा है। जिले के हाट बाजारों से लेकर शहर की सब्जी मंडियों में इन दिनों लोकल सब्जियों की आवक नहीं के बराबर बनी हुई है। यहां की लोकल आवक अधिक होने से सब्जियों के दाम कम होते हैं लेकिन जिले के लोकल बाडियों में सब्जियां खराब होने से स्थानीय सब्जियों की आवक नहीं हो रही है।

फिलहाल दाम कम होने के आसार नहीं

बाजार के एक सब्जी व्यवसायी ने बताया कि अगले कुछ दिनों तक सब्जियों के दाम कम होने वाले नहीं हैं। यही वजह है कि लोगों को हरी सब्जियां महंगी कीमत पर ही खरीदनी पड़ेंगी। प्याज, खीरा, नींबू व टमाटर के बढ़े भाव ने तो थाली से सलाद ही गायब कर दिया। अमूमन सब्जी के साथ तड़का लगाने के लिए मिलने वाले धनिये का भाव तो सिर चढकऱ बोल रहा है कि लोग भाव पूछकर ही आगे बढ़ रहे हैं। इस महंगाई की रेस में आलू भी पीछे नहीं है। आलू का दाम 25 से 30 पहुंच गया है।

सब्जी खरीदना हो रहा मुश्किल

सब्जियों के दाम लगातार बढ़ने से घर की रसोई का बजट बिगड़ गया है। शहर के सुखलाल सिंह का कहना है कि हरी सब्जियों के बढ़ते दामों ने खाने का स्वाद बिगाड़ दिया है। टमाटर से लेकर गोभी तक की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि हो गई है। ऐसे में सब्जी खरीदना मुश्किल हो रहा है। टमाटर का दाम बाजार में 50 से 60 रूपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। ऐसे में सब्जी के साथ सलाद भी थाली से गायब हो गया। बढ़ती महंगाई व सब्जी की कीमतों में भारी उछाल ने खाने की थाली का स्वाद बिगाड़ कर रख दिया है।

सब्जियों की कीमत एक नजर मे

टमाटर 50- 60 रूपये प्रति किलो
गोभी 70- 80 रूपये प्रति किलो
पत्ता गोभी 40-50 रूपये प्रति किलो
हरी मिर्च 50-70 रूपये
हरा धनिया 90- 120 रूपये प्रति किलो
लौकी 30-40 रूपये प्रति किलो
आलू 25-30 रूपये प्रति किलो

रेसीपी में केचअप व सॉस हुए शामिल

गृहणियां टमाटर की बजाए अब टोमेटो केचअप व टोमेटो सास का उपयोग किचन में कर रही हैं। इनका कहना है कि इससे टमाटर की कमी महसूस नहीं हो रही है। टमाटर सहित अन्य सब्जियों की बढ़ती कीमत पर लगाम लगाने प्रशासन पहल नहीं कर रहा है। अदरक, धनिया, मिर्ची, गोभी सहित करेला सभी के दाम आसमान पर है।

दो दिनों से हो रही झमाझम बारिश के कारण हरियाली की तैयारी जोरों पर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

क्षेत्र में किसानों के चेहरे खिले हुए हैं। दो दिनों से हो रही झमाझम बारिश के कारण हरियाली की तैयारी जोरों पर है। किसानों ने खेतों की जुताई और पलेवा के बाद अब धान की बुआई शुरू कर दी है। शुक्रवार की सुबह से शुरू हुई तेज बारिश के बाद कोतमा सहित ग्रामीण इलाकों में धान की बुआई के कार्य ने जोर पकड़ ली है। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि जिले में बड़ी मात्रा में धान की खेती होती है और किसान हर साल किसानी की प्रतीक्षा में रहते हैं। इस साल किसानों ने पहले ही धान की आमद की तैयारी कर ली थी। जैसे ही खेत में खेती शुरू हुई, किसानों ने खेती का काम शुरू कर दिया। कुछ क्षेत्रों में किसानों ने पहले ही नहरों और जंगलों में पानी की व्यवस्था कर दी थी, लेकिन अब बारिश के बाद धीरे-धीरे अन्य क्षेत्रों में भी यह कार्य गति पकड़ता जा रहा है। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यदि इसी प्रकार बारिश होती रही, तो जिले में इस बार धान उत्पादन के अच्छे आंकड़े देखने को मिल सकते हैं। बारिश शुरू होते ही किसानों में हौसला बढ गया है और वे पूरे लगन से खेती के कार्य में लगे हुए हैं। जिला मुख्यालय सहित कोयलांचल एवं ग्रामीण क्षेत्रों मे शुक्रवार से हो रही झमाझम बारिश के कारण जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया है। जिले में नगर में झमाझम बारिश होने के कारण दुकान भी लेट खुली रही है। झमाझम बारिश होने के कारण सड़कों पर पानी का जल भराव भी जगह-जगह देखने को मिल रहा है नालिया गंदगी से भरी पड़ी है नाली का गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है। नदी नाले भी उफान पर है। दो दिनों से हो रही बारिश से जहां लोगों को गर्मी से राहत मिली है।

एक पेड़ मां के नाम के तहत लाडली लक्ष्मी वाटिका में हुआ वृक्षारोपण

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर

15 जून से 31 अगस्त तक अनूपपुर नगरपालिका प्रशासन द्वारा चलाए जा रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत 04 जुलाई दिन शुक्रवार को लाडली लक्ष्मी वाटिका पार्क में नगर पालिका प्रशासन एवं जनप्रतिनिधियों द्वारा वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 05 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम अभियान की शुरुआत की गई थी। उनके द्वारा किए गए इस पहल का मुख्य उद्देश्य वर्तमान समय में बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग से निजात पाना एवं इस धरा के भविष्य को सुरक्षित करना है। कार्यक्रम में उपस्थित नगर पालिका अध्यक्ष पति व पूर्व विधायक प्रतिनिधि शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि एक पेड़ माँ के नाम' अभियान भारत की स्थायी और पर्यावरण के प्रति जागरूक भविष्य के लिए प्रतिबद्धता को दर्शाता है। पर्यावरण संरक्षण के आह्वान और माताओं के प्रति सम्मान की भावना के साथ यह पहल नागरिकों को एक हरित ग्रह बनाने में अपना योगदान देने का अवसर प्रदान करती है। वही उपाध्यक्ष पति पिंटू तिवारी ने कहा कि एक पेड़ माँ के नाम अभियान का उद्देश्य माँ के नाम पर एक पेड़ लगाना और एक स्थायी स्मृति बनाना है, जो न केवल पर्यावरण की रक्षा करेगा बल्कि एक हरे और अधिक समृद्ध भविष्य के निर्माण में भी योगदान देगा। इस अवसर पर नगरपालिका अध्यक्ष पति एवं पूर्व विधायक प्रतिनिधि शैलेंद्र सिंह एवं नगरपालिका उपाध्यक्ष पति पिंटू तिवारी वार्ड,क्रमांक 04 पार्षद दीपक शुक्ला, वार्ड क्रमांक 03 पार्षद रियाज अहमद, वार्ड क्रमांक 08 पार्षद पति विनोद गुड्डा सोनी, वार्ड क्रमांक 12 पार्षद पति कृष्ण भवानी, नगर पालिका अधिकारी शंकर लहंगीर, रजनीश लहंगीर, बृजेश मिश्रा, शशि तिवारी एवं अन्य समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद स्थापना दिवस पर किया गया पौधरोपण

मुख्यमंत्री के संदेश का किया गया वाचन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद की स्थापना दिवस पर जिला मुख्यालय अनूपपुर के शासकीय तुलसी महाविद्यालय में 4 जुलाई 2025 को जन अभियान परिषद अनूपपुर द्वारा स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर जिला स्तरीय संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (केबिनेट मंत्री दर्जा) रामलाल रौतेल द्वारा सरस्वती जी की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर रौतेल द्वारा मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि आज हम सब यहां पर मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के स्थापना दिवस के पावन अवसर पर एकत्रित हुए हैं यह दिन हम सभी के लिए गौरव का अवसर है जब हम उन सपनों और प्रयासों को स्मरण करते हैं जिनके कुशल मार्गदर्शन में यह परिषद स्थापित हुई थी। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद का जन्म एक महान विचार जन सहभागिता के साथ हुआ। इसका तात्पर्य है कि किसी भी कार्य को करने में सभी लोग मिलकर प्रयास करें तो किसी भी चुनौती का सामना एकजुट होकर किया जा सकता है। विगत वर्षों में जन अभियान परिषद ने अनेकों क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किये जिसमें शिक्षा स्वास्थ्य स्वच्छता पर्यावरण संरक्षण जल गंगा अभियान और अजीविका सृजन जैसे विषयों में हजारों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव आए हैं। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के संभाग समन्वयक भीम सिंह डामोर ने कहा कि विगत वर्षों में जन अभियान परिषद द्वारा सामाजिक क्षेत्र में अनेकों कार्य किए गए जिसमें हर कार्य में आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी एवं सभी योजनाओं में पारदर्शिता के साथ काम करना, हर वर्ग विशेष कर वंचित समुदाय के सशक्तिकरण का प्रयास किया गया। नवांकुर एवं प्रस्फुटन समितियां के माध्यम से गांव के लोगों को साथ में लेकर सामाजिक जागरूकता के कार्य किए गये। सीएमसीएलडीपी अंतर्गत हजारों बच्चों को विद्यालय के साथ जोड़ा गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य नीरज निगम ने कहा कि मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद सामाजिक क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहा है जनभागीदारी से किए गए कार्य गांव के लोगों के बीच एक सेतु का काम कर रहा है जिससे लोगों में जागरूकता बढ़ी है। महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य संत ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं बधाई देते हुए कहा कि जन अभियान परिषद गांवों मे आमजनो के साथ मिलकर जन जागरूकता का कार्य कर उन्हें प्रशिक्षित करने का कार्य कर रहा है। इस अवसर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले नवांकुर संस्था, प्रस्फुटन समिति, एवं सीएमसीएलडीपी के छात्रों को उत्कृष्ट कार्य हेतु प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। साथ ही परिषद के उपाध्यक्ष महो मोहन नागर जी का संदेश प्रसारण, परिषद के कार्यो की फ़िल्म का प्रसारण किया गया संभाग समन्वयक द्वारा पी पी टी के माध्यम से परिषद की पूरी संरचना को बताया साथ ही सभी ने मिलकर पौधारोपण भी किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से ब्लॉक समन्वयक फत्ते सिंह, बृजेंद्र मिश्रा रामचंद्र एवं नवांकुर संस्था के संस्था प्रमुख परामर्शदाता एवं सीएमसीएमसी डीपी के छात्र प्रस्फुटन समिति सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

प्रभारी व राज्य मंत्री ने अमृत हरित महाभियान में प्रदर्शनी का किया अवलोकन

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। मध्यप्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री तथा अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री दिलीप अहिरवार एवं कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल ने कोतमा स्थित मॉडल स्कूल प्रांगण में आयोजित ''अमृत हरित महाभियान'' कार्यक्रम के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन, कृषि विभाग, उद्यानिकी विभाग तथा जिला खनिज प्रतिष्ठान मद द्वारा लगाई गई विभागीय प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने विभागीय गतिविधियों की जानकारी प्राप्त की एवं विभिन्न योजनाओं की प्रगति की सराहना की। इस दौरान जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

यातायात नियमों का उल्लंघन फिर पड़ा भारी, 10 स्कूली बस पर कार्यवाही

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। "सुरक्षित स्कूल बस अभियान"*के तहत बिजुरी क्षेत्र में संचालित निजी स्कूल बसों /बैन पर हाईवे चौकी द्वारा कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान बस क्रमांक **MP**-65-**P**-0175 बस को चेक करने पर वाहन का परमिट नहीं पाया गया। जिस पर मोटरयान अधिनियम के तहत 10,500/- जुर्माना किया गया। इसके अतिरिक्त अन्य 9 स्कूली बसों पर भी कार्यवाही कर कुल 17,000/- जुर्माना अधिरोपित किया गया। पुलिस अधीक्षक अनूपपुर के निर्देश पर "सुरक्षित स्कूल बस अभियान" के तहत कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। कार्यवाही के दौरान यातायात हाईवे चौकी से एएसआई आनंद तिवारी, आरक्षक विनय मिश्रा, मोहित श्रीवास्तव, कपिल सोलंकी उपस्थित रहे।

पीआरटी कॉलेज में आयोजित हुआ लर्निंग लाइसेंस कैंप, 42 छात्रों के जारी किए लर्निंग लाइसेंस

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। पी.आर.टी. कॉलेज अनूपपुर में ड्राइविंग लर्निंग लाइसेंस का कैंप लगाया गया, जिसमें स्थानीय युवा एवं कॉलेज की छात्राओं द्वारा लाइसेंस बनवाने हेतु भाग लिया गया, कैंप में उपस्थित बच्चों को सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी गई तथा ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की प्रक्रिया, लाइसेंस की आवश्यकता के विषय में बताया गया।लर्निंग लाइसेंस प्रदाय करते हुए जानकारी दी गई की एक महीने बाद स्थाई लाइसेंस के लिए आवेदन करें तथा जिला परिवहन कार्यालय से स्थाई लाइसेंस प्राप्त करें।

कैंप में कुल 29 छात्राओं एवं 13 युवाओं के कुल 42 लर्निंग लाइसेंस जारी किए गए, छात्राओं को निशुल्क लाइसेंस प्रदाय किए गए। जिला परिवहन विभाग एवं यातायात अनूपपुर द्वारा अभी तक तीन गांव एवं कॉलेज में लर्निंग लाइसेंस कैंप आयोजित कर 170 लोगों को लाइसेंस प्रदाय किए गए है। कैंप में जिला परिवहन अधिकारी सुरेंद्र सिंह गौतम, यातायात प्रभारी ज्योति दुबे, कॉलेज के प्रबंधक विजय तिवारी, आदर्श मिश्रा, आलोक कुशवाहा, आरटीओ ऑफिस से अंकित जायसवाल, आदित्य मिश्रा उपस्थित रहे।